P-544

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-608

ज्योतिष प्रबोध-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. प्राच्य-पाश्चात्य मतानुसार भू-भ्रमण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

2. भास्करीय आकर्षण सिद्धान्त का प्रतिपादन कीजिए।

3. पृथ्वी के उत्पत्ति के सन्दर्भ में वैदिक मत का प्रतिपादन कीजिए।

4. प्राचीन ग्रन्थों एवं साहित्य शास्त्र में प्रतिपादित शून्य का विश्लेषण कीजिए।

5. लघुजातक के अनुसार अष्टक वर्ग का वर्णन करें।

अथवा

बोधायन परिमेय से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. आर्यभट्ट का भू-भ्रमण सिद्धान्त क्या है?

2. केप्लर के नियमों का प्रतिपादन कीजिए।

3. भूगोल के सन्दर्भ में तैत्तरीय ब्राह्मण का क्या मत है?

4. परिधि-व्यास का सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

5. शून्योत्पत्ति का संक्षिप्त वर्णन करें।

6. स्पष्ट भूपरिधि संस्कार कैसे किया जाता है?

7. दार्शनिक प्रणाली से आप क्या समझते हैं?

8. वृहत्पराशर के अनुसार अष्टकवर्ग का वर्णन कीजिए।